public good' such as Metro services at a subsidy?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) to (c) Yes, Sir.

इंस्टेंट एक्शन ग्रुप

427. **चौधरी हरमोहन सिंह यादव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेल विभाग में इंस्टेंट एक्शन ग्रुप क्या है और इसके कौन-कौन से उद्देश्य हैं;

(ख) क्या यह ग्रुप अपने उद्देश्यों में सफल रहा है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) सामान्य संरक्षा, सुरक्षा, आराम और यात्रियों की शिकायतों का शीघ्र निवारण सुनिश्चित करने के लिए संदिग्ध या ज्वलनशील वस्तु ले जा रहे अनधिकृत व्यक्ति या यात्रियों के प्रवेश को रोकने के लिए कुछ गाड़ियों में त्वरित कार्य दल तैनात किए गए हैं। दल में एक गाड़ी कैप्टन जो या तो सीनियर कंडक्टर या चल टिकट परीक्षक होता है, 2 सशस्त्र रे०सु०ब० कर्मी, 2 सवारी डिब्बा परिचर और एक या दो सफाई वाले होते हैं। दल को गाड़ियों में सही ढंग से कार्य करने के लिए विशिष्ट वर्दी और चाकी-टाकी आदि मुहैया कराए गए हैं।

(ख) और (ग) जी हां। योजना, आरक्षित सवारी डिब्बों में अनधिकृत यात्रियों का प्रवेश रोकने, ज्वलनशील वस्तुएं ले जाने पर रोक लगाने और सवारी डिब्बों/प्रसाधनों की सफाई व्यवस्था और बिजली के उपकरणों की कार्य प्रणाली जैसी यात्री सुविधाओं में कमियों को दूर करने में कुछ सीमा तक सफल रही है।

रेल मंत्रालय में विज्ञापनों पर खर्चा

428. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेल मंत्रालय ने पिछले वर्ष और इस वर्ष विज्ञापनों पर कितना खर्च किया है;

(ख) रेल मंत्रालय के बजट में पिछले वर्ष व इस वर्ष कितनी राशि का प्रावधान विज्ञापनों के लिए किया गया था;

(ग) क्या मंत्रिमंडल सचिव ने पत्र लिखकर सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों को निर्देश दिया है कि विज्ञापन देते हुए संयम बरतें;

(घ) क्या रेल मंत्रालय उसके बाद भी विज्ञापन देता रहा है; और

(ङ) सरकार मंत्रियों के अपने प्रचार के लिए सरकारी धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) 1996-97 और 1997-98 (अक्तूबर 97 तक) के दौरान रेलों द्वारा प्रदर्शन और वर्गीकृत/निविदा विज्ञापनों पर क्रमशः लगभग 22,80,59,468/- रुपये और 13,02,44,550/- रुपये की राशि खर्च की गई है।

(ख) रेलों में विज्ञापनों पर खर्च रेलों के पास उपलब्ध समग्र बजट में से किया जाता है। विज्ञापनों के लिए विशेष रूप से अलग बजट नहीं रखा जाता है।

(ग) से (ङ) केबिनेट सचिव ने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों को सलाह दी है कि समाचार पत्रों में पूरे/आधे पेज के विज्ञापनों को रिलीज करने को सीमित किया जाए। उनमें कमी लाई जाए। रेल मंत्रालय ने सिद्धांत रूप से यह निर्णय लिया है कि पूरे/आधे पेज के विज्ञापनों के रिलीज में कमी लाई जाए।

जमालपुर/मुजफ्फरपुर में कोच फैक्ट्री

429. **श्री नागमणि:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार सरकार से जमालपुर/मुजफ्फरपुर में इंटेग्रेटेड कोच फैक्ट्री स्थापित करने हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी प्रस्ताव क्या है; और

(ग) उक्त प्रस्ताव कब प्राप्त हुआ और अब तक उस पर क्या कार्रवाई हुई और कार्रवाई के क्या परिणाम रहे हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

रेलवे वैगनों की खरीद

430. **श्री बंगारू लक्ष्मण:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार ने वर्ष-वार कितने रेल वैगनों को खरीदने के लिए आर्डर दिए;

(ख) उक्त वैगनों में से कितने वैगनों के लिए आर्डर खुली निविदा प्रणाली के आधार पर दिया गया, जिन फर्मों/कंपनियों को आर्डर दिया गया उनके क्या नाम हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार खुली निविदा प्रणाली

के आधार पर रेल वैगनों की खरीद को कम करने का है;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में पूर्ण-ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) पिछले तीन वर्षों के लिए मालडिब्बा उद्योग को दिये नए क्रयादेश नीचे इंगित किए गए हैं:—

(आंकड़े चौपहिया इकाईयों में)

वर्ष	क्रयादेश
94-95	10800
95-96	16085
96-97	29140*

*97-98 के लिए 5575 चौपहिया इकाइयों की मात्रा भी शामिल है।

(ख) एक विवरण संलग्न **(नीचे देखिए)**

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) खुली निविदा प्रणाली के परिणाम स्वरूप खरीदों में बचत और मितव्ययिता हुई है। मौजूदा सरकार की खरीदों में पारदर्शिता लाने, प्रतिस्पर्धा और मितव्ययिता बढ़ाने की नीति के अनुसार 1998-99 से मालडिब्बों की 100% आवश्यकता को माल-डिब्बा उद्योग से खुली निविदा के माध्यम से खरीदने का विनिश्चय किया गया है।

विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान निविदा के माध्यम से मालडिब्बों के क्रयादेश दर्शाने वाला विवरण

क्र० सं०	मालडिब्बा निर्माता	94-95	95-96	96-97
1.	भारत वैगन एण्ड इंजी० कं० लि०, मुजफ्फरपुर	0.0	572.5	907.5
2.	भारत वैगन एण्ड इंजी० कं० लि०, मोकामेह	0.0	645.0	195.0
3.	ब्रैथवेट एण्ड कं० लि०, कलकत्ता	0.0	1165.0	430.0
4.	बर्नस्टैण्डर्ड कं० लि०, बर्नपुर	0.0	1312.5	587.5
5.	बर्न स्टैण्डर्ड कं० लि०, हावड़ा	0.0	1257.5	572.5*
6.	जेस्सप एण्ड कं० लि०, कलकत्ता	0.0	342.5	195.0
7.	सदर्न स्ट्रक्चरल, पट्टाबीरम, चेन्नई	360.0	0.0	0.0
	कुल सार्वजनिक क्षेत्र	360.0	5295.0	2887.5
8.	सिम्को बिरला लि०, भरतपुर	0.0	0.0	2667.5
9.	टैवसमैको लि०, कलकत्ता	0.0	0.0	2710.0**
10.	हिन्दुस्तान जनरल इंडस्ट्रीज, दिल्ली	0.0	0.0	75.0
11.	मॉडर्न इंडस्ट्रीज, साहिबाबाद, गाजियाबाद	0.0	0.0	1062.5
12.	हिंदुस्तान डेवलपमेंट कारपोरेशन, कलकत्ता	1440.0	2090.0	14332.5
13.	बिन्नो इंजी० लि०, मेन्नाबक्कम, चेन्नई	0.0	0.0	195.0
	कुल निजी क्षेत्र	1440.0	2090.0	11042.5
	कुल उद्योग	1800.0	7385.0	13930.5

* मई '97 में फर्म द्वारा प्रति प्रस्ताव को स्वीकार कर लेने के पश्चात् आदेश दिए गए।

** अप्रैल '97 में फर्म द्वारा प्रति प्रस्ताव को स्वीकार कर लेने के पश्चात् आदेश दिए गए।